

विषय-सूची

● गत वर्ष का प्रश्न-पत्र हल सहित

प्राचीन भारत का इतिहास

1. भारत में प्रागैतिहासिक संस्कृतियाँ	3-22
2. प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत.....	23-65
3. सिन्धु सभ्यता तथा उसका उद्गम; परिपक्व चरण : विस्तार, समाज, अर्थव्यवस्था एवं संस्कृति; अन्य संस्कृतियों से सम्पर्क; ह्रास की समस्याएँ.....	66-91
4. वैदिक समाज, वैदिक ग्रन्थ, ऋग्वैदिक से उत्तर-वैदिक चरणों तक परिवर्तन, धर्म, उपनिषद् से सम्बन्धित विचारधारा, राजनैतिक एवं सामाजिक संगठन : राजतन्त्र तथा वर्ण व्यवस्था का विकास.....	92-120
5. महाजनपदों से नन्द तक राज्य निर्माण एवं नगरीकरण	121-145
6. जैन एवं बौद्धधर्म, जैनधर्म एवं बौद्धधर्म के प्रसार के कारक, शैव सम्प्रदाय, भगवद् सम्प्रदाय, बौद्धधर्म-हीनयान एवं महायान, जैनधर्म एवं संस्कृति, कला.....	146-186
7. मौर्य साम्राज्य : चन्द्रगुप्त मौर्य, मेगस्थनीज, अशोक एवं उसके शिलालेख, उसका धम्म, प्रशासन, तत्कालीन संस्कृति एवं कला, अर्थशास्त्र.....	187-223
8. मौर्योत्तर भारत : 200 ई.पू.-300 ई. तक समाज, जातियों का विकास, सातवाहनों का काल एवं प्रायद्वीप में राज्य निर्माण, भारत-यूनानी (इण्डो-ग्रीक) शक, पार्थियन, कुषाण, कनिष्क.....	224-280
9. संगम साहित्य सम्बन्धित ग्रन्थ एवं तत्कालीन समाज.....	281-295
10. इतिहास के चुने हुए उद्धरण/प्रसंग.....	296-306
11. मानचित्र अध्ययन.....	307-323
● प्रश्नकोश.....	324-348
● परिशिष्ट.....	349-400

मध्यकालीन भारत का इतिहास

1. प्रारम्भिक मध्यकालीन भारत (750 ई. से 1200 ई. तक).....	3-37
[प्रमुख राजवंश, चोल साम्राज्य, कृषि एवं राजनैतिक संरचनाएँ, राजपुत्र सामाजिक गतिशीलता की सीमा. स्त्रियों की स्थिति, सिन्ध में अरबों का विस्तार, गजनवी राज्य, सांस्कृतिक प्रवृत्तियाँ, धार्मिक स्थितियाँ; मन्दिरों तथा मठ संस्थाओं का महत्व; शंकराचार्य; इस्लाम; सूफी परम्परा, साहित्य एवं विज्ञान, अलबेरुनी का भारत, कला तथा स्थापत्य]	
2. तेरहवीं एवं चौदहवीं शताब्दी का भारत.....	38-85
[गौरी विजय; कारण एवं परिणाम. गुलाम शासकों के अन्तर्गत दिल्ली सल्तनत, अलाउद्दीन खिलजी, विजय अभियान, प्रशासनिक, कृषिक एवं आर्थिक उपाय, मुहम्मद तुगलक के अभिन्न परिवर्तन, फिरोज तुगलक और दिल्ली सल्तनत का ह्रास, वाणिज्य तथा नगरीकरण का विकास, साहित्य, स्थापत्य, प्रौद्योगिकी में परिवर्तन]	
3. पन्द्रहवीं एवं प्रारम्भिक सोलहवीं शताब्दी का भारत.....	76-110
[प्रमुख प्रांतीय राजवंश, विजयनगर साम्राज्य, लोदी राज्य, मुगल साम्राज्य का प्रथम चरण, बाबर, हुमायूँ, सूर साम्राज्य एवं प्रशासन, पुर्तगाल. एकेश्वरवादी आन्दोलन : कबीर, गुरुनानक एवं सिख धर्म, भक्ति आन्दोलन, क्षेत्रीय साहित्यिक विधाओं में वृद्धि, कला एवं संस्कृति]	

4. 1556 ई. से 1707 ई. तक का भारत.....	111-127
5. मानचित्र अध्ययन.....	128-144
6. इतिहास के चुने हुए उद्धरण/प्रसंग.....	145-155
7. मध्यकालीन ऐतिहासिक व्यक्तित्व.....	156-174
● प्रश्नकोश	175-204
● परिशिष्ट.....	205-232

आधुनिक भारत का इतिहास

1. भारत में ब्रिटिश विस्तार.....	3-32
[कर्नाटक युद्ध, बंगाल विजय, मैसूर राज्य एवं इसके द्वारा अंग्रेजों के राज्य विस्तार के प्रयास का विरोध, तीन आंग्ल मराठा युद्ध, भारत में ब्रिटिश राज्य की आरम्भिक संरचना : रेग्युलेटिंग एवं पिट का इण्डिया एक्ट]	
2. ब्रिटिश राज्य के आर्थिक प्रभाव.....	33-53
[सम्पत्ति का अपवाह (ड्रेन ऑफ वेल्थ) कर व्यवस्था, भू-राजस्व बंदोबस्ती (जमींदारी, रैयतवारी, महलवारी), उद्योगों का विनाश, कृषि का वाणिज्यीकरण एवं रेलवे, भूमिहीन श्रमिकों की वृद्धि]	
3. सांस्कृतिक समागम एवं सामाजिक परिवर्तन.....	54-81
[पश्चिमी शिक्षा एवं आधुनिक विचारों की भूमिका, भारतीय पुनर्जागरण, सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आन्दोलन, भारतीय मध्यम वर्गों की वृद्धि, छापाखाना एवं इसका प्रभाव, भारतीय भाषाओं में आधुनिक साहित्य का उदय, सन् 1857 से पहले सामाजिक सुधार के उपाय]	
4. ब्रिटिश शासन का विरोध.....	82-96
[प्रारम्भिक विद्रोह, 1857 का विद्रोह—कारण, प्रकृति, अवधि एवं परिणाम]	
5. भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम.....	97-149
[भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम—प्रथम चरण : राष्ट्रीय संवेतना का विकास, संघों का निर्माण, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना तथा इसका नरमपंथी चरण, आर्थिक राष्ट्रीयता : स्वदेशी आन्दोलन : उग्रवाद में वृद्धि तथा कांग्रेस में 1907 ई. का विभाजन, 1909 ई. का अधिनियम—‘फूट डालो और शासन करो’ की नीति; कांग्रेस एवं मुस्लिम लीग के बीच 1916 का समझौता]	
6. गांधीजी एवं उनकी विचारधारा.....	150-171
[जन-जुटाव के लिए गांधीजी द्वारा अपनाया गया तरीका, खिलाफत एवं असहयोग आन्दोलन, सविनय अवज्ञा आन्दोलन एवं भारत छोड़ो आन्दोलन, राष्ट्रीय आन्दोलन में अन्य विचारधाराएँ—क्रान्तिकारी आन्दोलन, वामपंथ, सुभाषचन्द्र बोस तथा भारतीय राष्ट्रीय सेना]	
7. भारतीय राष्ट्रवादी राजनीति में अलगाववादी प्रवृत्तियाँ.....	172-193
[मुस्लिम लीग और हिन्दू महासभा, 1945 ई. के बाद की स्थिति, साम्प्रदायिक हिंसा, देश का विभाजन एवं स्वतन्त्रता प्राप्ति]	
8. भारत : स्वतन्त्रता प्राप्ति से 1964 तक	194-225
[भारत स्वतन्त्रता से 1964 ई. तक संसदीय पंथ-निरपेक्ष, लोकतान्त्रिक गणराज्य (1950 ई. का संविधान), जवाहरलाल नेहरू का विकासवादी समाजवादी दर्शन, योजना व्यवस्था एवं राज्य नियन्त्रित औद्योगीकरण, कृषिक सुधार, गुटनिरपेक्षता के सिद्धान्त पर आधारित विदेशी नीति, चीन के साथ सीमा संघर्ष]	
9. आधुनिक भारत के महान् व्यक्तित्व.....	226-259
10. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन : सिंहावलोकन [1885 से 1964 तक]	260-284
● प्रश्नकोश.....	285-309
● परिशिष्ट.....	310-336